

बोलीदाता सूचना प्रबंधन प्रणाली, भूमि राशति तथा लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली

संदर्भ

नरिमाण पूरव गतविधियिं से संबंघति बोली प्रकरयिा और भूमि अधगिरहण के कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से सड़क परविहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से प्रौद्योगिकी पहल के रूप में बोलीदाता सूचना प्रबंधन प्रणाली (BIMS) एवं भूमि राशति तथा लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (PFMS) संपर्क पोर्टल लॉन्च कयि गए हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग परयोजनाओं के लयि इस साल से वार्षकि पुरस्कार दयि जाने की घोषणा भी की गई है।

बोलीदाता सूचना प्रबंधन प्रणाली (Bidder Information Management System- BIMS)

- BIMS का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग परयोजनाओं से जुड़ी अनुबंध प्रकरयिाओं को बोलीदाताओं के लयि अधिक पारदर्शी और व्यवस्थति बनाना है।
- इस पोर्टल के माध्यम से बोलीदाताओं से जुड़ी सभी प्रकार की जानकारी मलि सकेगी।
- बोलीदाताओं को यह सुनिश्चति करना होगा कि वे पोर्टल में अपने कार्यानुभव, वार्षकि कारोबार की वतिलीय जानकारी आदि से संबंघति सभी जानकारी सही तरीके से उपलब्ध कराएँ क्योंकि इन जानकारीयिं के आधार पर ही उन्हें परयोजनाओं से जुड़े काम दयि जाएंगे।

भूमि राशि पोर्टल

- भूमि राशि पोर्टल को सड़क परविहन और राजमार्ग मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सूचना केंद्र द्वारा मलिकर तैयार कयिा गया है।
- इस पोर्टल में देश के 6.4 लाख गाँवों की भूमि का राजस्व आँकड़ा दयिा गया है।
- इससे से भूमि परयोजनाओं के लयि भूमि अधगिरहण की प्रकरयिा सरल हो सकेगी।
- भूमि राशि पोर्टल के माध्यम से इस वर्ष अब तक भूमि अधगिरहण की 900 अधिसूचनाएँ जारी की जा चुकी हैं, जबकि बीते वर्ष पूरे साल में 1000 अधिसूचनाएँ ही जारी की जा सकी थीं।

लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (Public Finance Management System- PFMS)

- भूमि राशि पोर्टल के साथ लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (PFMS) को जोड़े जाने से भूमि अधगिरहण के दौरान ऐडा की जानी वाली मुआवजा राशि का भुगतान लाभार्थयिं को आसानी से कयिा जा सकेगा।
- PFMS एक वेब आधारति ऑनलाइन सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन है जसिका वकिस तथा कार्यानुवयन भारत के महानयित्तरक लेखा कार्यालय द्वारा कयिा जा रहा है। इसका उद्देश्य भारत सरकार को एक मज़बूत सार्वजनकि वित्त प्रणाली प्रदान करना है।

राष्ट्रीय राजमार्ग परयोजनाओं के लयि वार्षकि पुरस्कार

- ये पुरस्कार उन ठेकेदारों को दयि जाएंगे जसिने परयोजना कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कयिा होगा।
- पुरस्कारों के लयि चयन की प्रकरयिा सख्त बनाई गई है। कई दौर आकलन के बाद ही पुरस्कार के लयि कसिी का चयन कयिा जाएगा।